सं. श्रो.वि./एफ.डी./113-85/27653.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं. सुरमीर टैक्सटाईल प्रा. लि., फरीदाबाद, के श्रमिक श्री विजेन्द्र सिंह तथा उसके प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रौद्यागिक विवाद है;

ग्रौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिण्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इस लिए, ग्रब, ग्रौद्योगिक विवाद ग्रधिनियम, 1947 की धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रधिसूचना सं. 5415-3-श्रम 68/5254 दिनांक 20 जून, 1968 के साथ पढ़ते हुये ग्रधिसूचना सं. 11495-जी-श्रम 57/11245 दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त ग्रधिसूचना की धारा 7 के ग्रधीन गठित श्रम न्यायालय फरीदाबाद को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायालयं के लिये निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत ग्रथवा संबंधित मामला है:---

क्या श्री विजेन्द्र सिंह की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है यदि नहीं तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं. श्रो.वि./एफ.डो:/122-85/27660.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं जी.डी. इन्डस्ट्रीज इन्जीनियरिंग 1317 मथुरा रोड, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री राजेन्द्र कुमार तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कौई श्रीचोगिक विवाद है,

ग्रौर चंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को स्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इस लिए, ग्रब, ग्रौद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947 की धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करतें हुये, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रिधिसूचना सं. 5415—3-श्रम 68/5254 दिनांक 20 जून, 1968 के साथ पढ़ते हुए ग्रिधिसूचना सं. 11495—जी-श्रम 57/11245 दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त ग्रिधिनियम स्चना की धारा 7 के ग्रिधीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदाबद को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय के लिए निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत ग्रथवा संबंधित मामला है —

क्या श्री राजेन्द्र कमार की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा टीक है यदि नहीं तो वह किस राहत का हकदार है।

र्स. श्रो.वि./एफ.डी./92-85/27667.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै. फरीद भगत, यूनिट मशीनजं, प्लाट नं. 272, सैक्टर-24, एन.श्राई.टी., फरीदाबाद, के श्रमिक श्री श्रीराम प्रसाद सिंह तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रौद्योगिक विवाद है;

ग्रौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इस लिए ग्रब, ग्रौद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम 1947 की धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रिधिसूचना सं. 5415−3-% अम 68 15254, दिनांक 20 जून, 1968 के साथ पढ़ते हुए ग्रिधिसूचना सं. 11495-जी-श्रम-57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त ग्रिधिसूचना की धारा 7 के ग्रिधीन गठित श्रम न्यायालय फरीदाबाद को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्याय-निणंय के लिए निद्घट करते हैं जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रीमक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत ग्रथवा संबंधित मामला है :—

क्या श्री श्रीराम प्रसाद सिंह की सेवाश्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है यदि नहीं तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं. म्रो.वि./म्राई.डी./एफ.डी./41-85/27674.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं. एवन फास्टनर, 16/4, मथुरा रोड, फरीदाबाद, हरियाणा, के श्रमिक श्री श्रब्दुल गफार तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रीद्योगिक विवाद है ;

ग्रौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं ;

इस लिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं. 5415-3-श्रम 68/15254, दिनांक 20 जून,

1968 के साथ पढ़ते हुए अधिसूचना सं. 11495-जी-श्रम- 57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त अधिसूचना की धारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय फ़रीदाबाद को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायिनण्य के लिए निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत अथवा संबंधित मामला है :---

क्या श्री अब्दुल गफ़ार की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं तो बहु किस राहत का हकदार है

सं श्रो वि/एफ डी /85-85/27681 --- चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं. एस के रबड़ एण्ड महाबी इन्जीनियरिंग, प्लाट नं 86, सैक़्टर-24, फरीदाबाद के श्रमिक श्री बिन्देणवरी तथा उसके प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रौद्योगिक विवाद है ;

श्रौर चुंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं।

इस लिए, श्रव, श्रीद्योगिक विवाद श्रधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी श्रधिसूचना सं. 5415-3-%म 68/15254, दिनांक 30 जून, 1968 के साथ पढ़ते हुए श्रधिसूचना सं. 11495-जी-श्रम-57/11245, दिनांक 7 फ़रवरी, 1958 द्वारा उक्त श्रधिसूचना की धारा 7 के श्रधीन गठित श्रम न्यायालय फ़रीदाबाद को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायानिर्णय के लिए निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत ग्रथवा संबंधित मामला है :—

क्या श्री बिन्देशवरी की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं तो वह किस राहत का हकदार है?

सं.श्रो.वि./एफ.डी./99-85/27688.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै. एस के रबड़ (महाबीर रबड़), प्लाट नं. 86, सैक्टर-24, फ़रीदाबाद के श्रमिक श्री लाल बच्चन तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रौद्योगिक विवाद है;

श्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हैतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं।

इस लिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 की धारा 10की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं. 5415-3-% भ-68/15254, दिनांक 20 जून, 1968 के साथ पढ़ते हुए अधिसूचना सं. 11495-जी-श्रम-57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त अधिसूचना की धारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय फरीदाबाद को विवादग्रस्त या उससे मुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय के लिए निदिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त भामला है या विवाद से मुसंगत अथवा संबंधित मामला है :--

क्या श्री लाल बच्चन की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं तो वह किस राहत का हककर है ?

दिनांक 5 ज्लाई, 1985

सं.श्रो.वि./एफ.डी./42-85/28108.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं. मैटलस इन्डिया, प्लाट नं. 128, सैक्टर 25, बल्लबगढ़ के श्रमिक श्री दयाल सिंह तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रौद्योगिक विवाद है;

ग्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेंतु निर्दिष्ट करना वांछनीय संमझते हैं।

इस लिए, ग्रब, ग्रोद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रिधियुचना सं. 5415-3-अम-68/15254, दिनांक 20 जून, 1968 के साथ पहते हुए ग्रिधियुचना सं. 11495/जी-अम-57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त ग्रिधियुचना की धारा 7 के ग्रिधीन गठित श्रम न्यायालय फरीदाबाद को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे संबंधित नीचे लिखा मामला न्यायिनिर्णाय के लिए निदिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त-मामला है या विवाद से सुसंगत ग्रथवा संबंधित मामला है:---

क्या श्री दयाल सिंह की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं तो वह किस राहत का हकदार है ?